क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्स उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
# क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्स उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 116, बुधवार, 22 मई, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## पहला कॉलम

### लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने कीं 158 चुनावी सभाएं

**नई दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के दौरान 158 चुनावी सभाएं और रोड शो करके मतदाताओं को लुभाने का प्रयास किया था। गांधी ने 2019 के आम चुनाव के लिए पहली चुनावी सभा तीन फरवरी को पटना में की थी जबकि चुनाव की तारीखों का एलान इसके एक माह बाद हुआ। फरवरी के दौरान गांधी ने देश के विभिन्न हिस्सों में 14 चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने इस लोकसभा चुनाव की आखरी सभा को 17 मई को हिमाचल के सोलन में संबोधित किया। हिमाचल में आखिरी चरण में 19 मई को मतदान हुआ। कांग्रेस कार्यालय से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार गांधी ने अप्रैल में सर्वाधिक 73 सभाओं को संबोधित किया जबकि मार्च में 35 और मई में कुल 36 जन सभाओं को संबोधित किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस दौरान तिरुपति तथा तिरुनेली मंदिरों में भी पूजा अर्चना की। उन्होंने 19 अप्रैल को तिरुनेली में पूजा अर्चना की। गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के अमेठी के साथ ही केरल की वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं।

### मोदी, प्रणव सहित विभिन्न् नेताओं ने दी राजीव को श्रद्धांजलि

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 28वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्री मोदी ने मंगलवार को ट्विटर पर स्वर्गीय गांधी को श्रद्धांजलि दी। श्री मुखर्जी, श्रीमती गांधी, श्री गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने स्वर्गीय गांधी की समाधि 'वीर भूमि' पर आज सुबह जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। देश के छठे प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी की 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरम्बदूर में हत्या कर दी गयी। वह 1984 में अपनी मां एवं प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की अंगरक्षकों द्वारा हत्या कर देने के बाद प्रधानमंत्री बने। उन्होंने महज 40 वर्ष की आयु में देश के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री के रूप में पद ग्रहण किया।

### त्रिपुरा सरकार ने आईपीएस अफसर और 8 टीएसआर कर्मियों को निलंबित किया

**अगरतला।** त्रिपुरा की सरकार ने मंगलवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक अधिकारी और त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) के आठ कर्मियों को निलंबित कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। त्रिपुरा गृह विभाग के अधिकारी ने कहा, चक्मघाट स्थित त्रिपुरा स्टेट राइफल्स मुख्यालय में 12वीं बटालियन के पांच टीआरएस जवानों ने पिछले हफ्ते अपने दो साथियों भोजबीर सिंह चौहान और जयदीप प्रसाद तवरा के साथ बेरहमी से मारपीट की। उन्होंने कहा, गंभीर चोटें आने के बाद मध्य प्रदेश निवासी भोजबीर को यहां के गोविंद बल्लभ पंत मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा। तवरा को वापस उनके घर राजस्थान भेजा गया है। अधिकारी ने बताया की घटना की जानकारी सोमवार को मिली। इसके बाद सरकार ने त्रिपुरा स्टेट राइफल्स 12वीं बटालियन के कमांडेंट आईपीएस रति रंजन देबनाथ व पांच जवानों को निलंबित कर दिया। दूसरी घटना में, 11वीं बटालियन के तीन और जवानों को निलंबित कर दिया गया। 17 मई को मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब के सरकारी आवास के पास विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्हें कर्तव्य में लापरवाही का दोषी पाया गया निपटने के लिआतंकवाद रोधी अभियानों के लिए।

## भाजपा सरकार

# डिनर डिप्लोमेसी से पहले पीएम मोदी पहुंचे बीजेपी दफ्तर, केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** लोकसभा चुनावों के नतीजे आने में बस कुछ घंटे बाकी हैं. उससे पहले दिल्ली में एनडीए और यूपीए दोनों घटकों में हलचल तेज हो गई है. बीजेपी ने जहां दिल्ली के अशोका होटल में एनडीए दलों के साथ एक डिनर का आयोजन किया है, वहीं पीएम मोदी बीजेपी दफ्तर में अपने के द्रीय मंत्री मंडल के साथियों के साथ बैठक करेंगे. शाम साढ़े पांच बजे वह बीजेपी दफ्तर पहुंच गए. बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने उनका स्वागत किया।

बीजेपी ऑफिस में मोदी केंद्रीय मंत्रियों सहित तमाम साथी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया. सबसे पहले केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह और बाद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया. इसके बाद एलजेपी के मुखिया रामविलास पासवान, अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर, आरपीआई नेता रामदास आठवले और अपना दल की अनुप्रिया पटेल ने भी पीएम मोदी का सम्मान किया। इस बैठक में बीजेपी के केंद्रीय मंत्रियों के अलावा साथी दल के नेता और सांसद भी मौजूद हैं. इस बैठक में बीजेपी के केंद्रीय मंत्रियों के अलावा साथी दल के नेता और सांसद भी मौजूद हैं. चुनाव परिणामों से पहले ये एनडीए की इस बैठक को काफी अहममाना जा रहा है. इस बैठक में चुनाव नतीजों के बाद बनने वाली परिस्थितियों पर चर्चा होगी. इस बैठक के बाद दिल्ली के अशोका होटल में बीजेपी ने एनडीए के साथी दलों के लिए डिनर का आयोजन किया गया है।

## 22 विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से कहा- वीवीपैट का मिलान वोटों की गिनती से पहले हो, बाद में नहीं

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** 23 मई को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले कांग्रेस, तेदेपा, तृणमूल और बसपा समेत 22 विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से मुलाकात की। विपक्षी दलों के प्रतिनिधि मंडल ने आयोग को ज्ञापन सौंपा। अपोजिशन लीडरों ने मांग की कि वीवीपैट का मिलान वोटों की गिनती शुरू होने से पहले हो, ना कि बाद में। कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा- अगर विधानसभा क्षेत्र के चुने गए 5 पोलिंग स्टेशनों में कहीं भी गड़बड़ी पाई जाती है तो सभी पोलिंग स्टेशनों पर 100त्न वीवीपैट पर्चियों का मिलान किया जाए। ज्यादातर एग्जिट पोल में एनडीए को स्पष्ट बहुमत का अनुमान जताए जाने के बाद ही ईवीएम को लेकर सवाल तेज हो गए हैं। विपक्षी दलों ने स्ट्रॉन्ग रूम में भी ईवीएम की सुरक्षा को लेकर शंका जाहिर की है। गुलाम नबी आजाद ने कहा- विपक्षी दलों ने अपने ज्ञापन में चुनाव आयोग से अपील की है कि अगर विधानसभा क्षेत्र में चुने गए 5 पोलिंग स्टेशनों में से कहीं भी किसी तरह की गड़बड़ी मिलती है तो उस क्षेत्र के सभी पोलिंग स्टेशनों पर 100त्न वीवीपैट पर्चियों का मिलान किया जाए। हमने यह भी कहा कि यह वेरिफिकेशन वोटों की गिनती शुरू होने से पहले किया जाए, ना कि आखिरी दौर की गिनती खत्म होने के बाद।% अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हमने पिछले डेढ़ महीने में कई मुद्दे उठाए हैं। हमने आयोग से पूछा कि आपने प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी। आयोग ने हमारी बात करीब एक घंटे तक सुनी और उन्होंने हमें भरोसा दिलाया है कि वे कल फिर हमसे मुलाकात करेंगे। इस दौरान हमारी दो प्राथमिक चिंताओं पर चर्चा होगी। सतीश चंद्र मिश्रा ने कहा कि वोटों की गिनती से पहले हमने ईवीएम के ट्रांसपोर्टेशन को लेकर चिंता जाहिर की। उत्तर प्रदेश में ईवीएम के साथ गड़बड़ी की कई शिकायतें मिली हैं। हमने मांग की है कि केंद्रीय बल तैनात किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने 100त्न ईवीएम और वीवीपैट पर्चियों के मिलान की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि वह जनप्रतिनिधियों को चुनने की राह में हम आड़े नहीं आएगा। यह याचिका कुछ टेक्नोक्रेट्स ने लगाई थी। जस्टिस अरुण मिश्रा और जस्टिस एमआर शाह की वेकेशन बेंच ने कहा- इस मामले में सीजेआई पहले ही सुनवाई कर चुके हैं। अब आप दो जजों की वेकेशन बेंच के पास मौका क्यों तलाश रहे हैं। हम ऐसे किसी मामले की तुरंत सुनवाई नहीं करेंगे। हम सीजेआई के आदेश का उल्लंघन नहीं कर सकते। 7 मई को सीजेआई की बेंच ने 21 विपक्षी दलों द्वारा वीवीपैट और ईवीएम के 50त्न मिलान की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी।चुनाव आयोग ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल की गई ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में पूरी तरह सुरक्षित हैं। आयोग ने उन आरोपों को नकार दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि 23 मई को वोटों की गिनती से पहले स्ट्रॉन्ग रूम में लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल की गई ईवीएम को नई ईवीएम से बदला जा रहा है। आयोग ने कहा कि हम पूरे दावे के साथ और स्पष्ट रूप से उन रिपोर्टों को खारिज करते हैं, जिनमें ऐसे आरोप लगाए गए। ये झूठे और बेबुनियाद हैं।

टीवी और सोशल मीडिया पर जो भी विजुअल दिखाए जा रहे हैं, उनका चुनाव में इस्तेमाल की गई ईवीएम से कोई संबंध नहीं है।

### काला धन कानून तुरंत प्रभाव से लागू करने संबंधी हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

**नई दिल्ली, ।** सर्वोच्च न्यायालय ने काला धन कानून को पूर्व प्रभाव से लागू करने के संबंध में दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर मंगलवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली अवकाश पीठ ने अधिवक्ता गौतम खेतान को एक नोटिस जारी किया है। गौतम वीवीआईपी चॉपर घोटाले में आरोपी हैं और वह काला धन मामले में भी आरोपों का सामना कर रहे हैं। अदालत ने खेतान को छह सप्ताह में जवाब देने के लिए कहा है। महाधिवक्ता तुषार मेहता ने सर्वोच्च अदालत में तर्क दिया था कि दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश से अन्य मामले भी प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 16 मई को आदेश जारी कर सरकार और आयकर विभाग को ब्लैक मनी (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) एवं इम्पोजिशन ऑफ टैक्स एक्ट, 2015 के तहत गौतम खेतान के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया था। वीवीआईपी हेलीकॉप्टर सौदा घोटाले में आरोपी खेतान को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 26 जनवरी को ऑफशोर खातों में रुपये जमा करने के कारण गिरफ्तार किया था। खेतान ने यह कहते हुए अपनी गिरफ्तारी को अदालत में चुनौती दी थी कि केंद्र की अधिसूचना अवैध है, क्योंकि अधिसूचना में कहा गया है कि अधिनियम एक अप्रैल, 2016 के बदले एक जुलाई, 2015 से प्रभावी होगा। जबकि अधिनियम संसद में एक अप्रैल, 2016 को पारित हुआ था।

### बढ़ेगी साध्वी प्रज्ञा की मुश्किलें, कमलनाथ सरकार फिर खोलेगी जोशी हत्याकांड की फाइल

**भोपाल।** कट्टर आरएसएस के पूर्व प्रचारक सुनील जोशी की हत्या के मामले को फिर से खोलने जा रही है. इस मामले में भोपाल लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार साध्वी प्रज्ञा सिंह को अदालत ने बरी कर दिया था. प्रदेश के विधि मंत्री पीसी शर्मा ने मंगलवार को कहा, ''जिला कलेक्टर (देवास) को इस मामले में रिपोर्ट देने के लिये कहा गया है. हम उस रिपोर्ट पर कानूनी राय लेने के बाद बड़ी अदालत में जाने के बारे में निर्णय करेंगे.'' सुनील जोशी हत्याकांड में देवास की एक अदालत ने एक फरवरी 2017 को प्रज्ञा और सात अन्य आरोपियों को ठोस सबूत न होने के कारण बरी कर दिया था. जोशी की 29 दिसंबर 2007 को देवास के औद्योगिक क्षेत्र पुलिस स्टेशन के इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. शर्मा ने कहा कि जिला कलेक्टर ने मामले को कानूनी राय के लिए विधि विभाग को भेजने के बजाय स्वयं ही बंद करने का निर्णय लिया था. उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर को इस मामले को बड़ी अदालत में नहीं ले जाने का फैसला स्वयं लेने के बजाय मामले की रिपोर्ट विधि मंत्रालय को भेजनी थी. शर्मा ने आगे कहा कि अब इस मामले में आगे कार्रवाई की जायेगी. वहीं, दूसरी ओर भाजपा ने शर्मा के बयान को 'बदले की कार्रवाई' करार दिया. मध्यप्रदेश भाजपा के प्रवक्ता रजनीश अग्रवाल ने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रदेश सरकार यह फैसला इसलिये लेने जा रही है।

# आप की नेता आतिशी बनीं बीजेपी-कांग्रेस के उम्मीदवारों के लिए बड़ी चुनौती

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी लोकसभा चुनाव 2019 में पूर्वी दिल्ली से उम्मीदवार है. आप उम्मीदवार आतिशी के सामने चुनावी मैदान में बीजेपी के उम्मीदवार गौतम गंभीर और कांग्रेस के दिग्गज नेता और प्रत्याशी अरविंदर सिंह लवली है. जानकारों के मुताबिक पूर्वी दिल्ली में लोकसभा सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय है. आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी की बात करें तो उन्होंने दिल्ली के सरकारी स्कूलों की काया पलटने में बेहतरीन योगदान दिया है. साथ ही वह पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की सदस्या भी हैं. यहां तक कि आतिशी दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की सलाहकार रह चुकी हैं. लेकिन केंद्र के बढ़ते दबाव के चलते उन्हें अप्रैल 2018 में इस पद से हटा दिया गया था. इसका कई लोगों ने विरोध जताया था. नेताओं से लेकर फिल्मी सितारों ने आतिशी के समर्थन में आवाज उठाई थी. साथ ही आम आदमी पार्टी ने उन्हें पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट का प्रभारी नियुक्त किया. बता दें कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में आए क्रांतिकारी बदलाव के पीछे आतिशी का बहुत बड़ा योगदान हैं. माना जाता है कि उनके ही सुझाव पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने आमूल-चूल परिवर्तन किया. आतिशी ने ही दिल्ली के सरकारी स्कूलों में हैप्पीनेस करिकुलम की शुरुआत की. बतौर सलाहकार काम करने के लिए।

वो दिल्ली सरकारी से एक रुपये प्रति माह सैलरी लेती थीं. वहीं आतिशी के व्यक्तिगत जीवन की बात करें तो आतिशी की पढ़ाई दिल्ली के स्प्रिंगडेल स्कूल में हुई. जिसके बाद उन्होंने सेंट स्टीफेंस कॉलेज से बैचलर डिग्री हासिल की. बता दें कि आतिशी सेंट स्टीफेंस में टॉप किया था, बाद में उन्होंने रोड्स स्कॉलरशिप लेकर ऑक्सफोर्ड से मास्टर्स किया।

# अखिलेश यादव से मिले आप के संजय सिंह, गठबंधन को 60 सीटें मिलने का दावा

**लखनऊ(एजेंसी)।** आम आदमी पार्टी (आप) नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलने के बाद दावा किया कि लोकसभा चुनाव में गठबंधन उत्तर प्रदेश में कम से कम 60 सीटों पर जीत अर्जित करेगा। सिंह ने मंगलवार को कहा इस बार एक्जिट पोल गलत साबित होगा और लोगों का इससे विश्वास उठ जायेगा। यह तय है कि 23 तारीख के बाद केन्द्र में विपक्ष की सरकार बनने जा रही है। सपा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में सिंह ने कहा यादव से मुलाकात सार्थक रही। हमने केन्द्र में नयी सरकार के गठन के बारे में चर्चा की। मुझे लगता है कि गठबंधन उत्तर प्रदेश में 60 से अधिक सीट जीतेगा। देश में भाजपा का सफाया हो जायेगा। एक्जिट पोल गलत सिद्ध होंगे जैसा कि पहले हो चुका है। विपक्ष की मजबूत सरकार केन्द्र में बनने जा रही है। उत्तर प्रदेश के प्रभारी आप नेता ने कहा विपक्ष की प्राथमिकता केन्द्र में नरेन्द्र मोदी और अमित शाह को आने से रोकना है। उल्लेखनीय है कि एक्जिट पोल के नतीजो के बाद विपक्षी एकजुटता के प्रयास तेज कर दिये गये हैं। इसी कडी में सोमवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती से उनके आवास जाकर मुलाकात की थी।

## लोकसभा चुनाव: 5,029 करोड़ रुपए के चुनाव बांड जारी किए गए

**नई दिल्ली।** लोकसभा चुनाव के दौरान एस.बी.आई. के मुताबिक मार्च से 4 मई तक 5,029 करोड़ रुपए के 10,494 बांड जारी किए गए। इस तरह हर बांड औसतन करीब 48 लाख रुपए का रहा। इसमें मार्च और अप्रैल में करीब 3,622 करोड़ रुपए के चुनाव बांड जारी किए गए। चुनाव बांड कोई भी व्यक्ति या कम्पनी खरीद सकती है और किसी राजनीतिक दल के नाम जारी कर सकती है। इसमें मार्च में 2,256 करोड़ और 1,366 करोड़ रुपए अप्रैल में जारी हुए। मुम्बई से अप्रैल में 694 करोड़, दिल्ली से 409 करोड़, कोलकाता से 417 करोड़ और हैदराबाद से 338 करोड़ रुपए के बांड राजनीतिक दलों के लिए खरीदे गए। प्रियंका ने मेनका के खिलाफ रोड शो किया कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सुल्तानपुर में अपनी चाची मेनका के खिलाफ कांग्रेस के प्रत्याशी संजय सिंह के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान दरियापुर में चाची मेनका गांधी का काफिला और भतीजी प्रियंका गांधी का काफिला आमने-सामने हो गया। कई दिग्ज मैदान में नहीं उतरे भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण अडवानी, मुरली मनोहर जोशी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, वित्त मंत्री अरुण जेतली, उमा भारती, एन.सी.पी. नेता शरद पवार और लोजपा नेता रामविलास पासवान जैसे दिग्गज नेता इस बार चुनाव मैदान में नहीं हैं। बंगाल में एक दिन पहले प्रचार रोका गया चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाओं को रोकने में नाकाम रहने पर राज्य सी.आई.डी. के ए.डी.जी. और गृह विभाग के प्रधान सचिव को हटा दिया। साथ ही 7वें चरण के लिए चुनाव प्रचार तय तारीख से एक दिन पहले ही खत्म कर दिया। विपक्षी दलों ने ई.वी.एम. का मुद्दा उठाया लोकसभा चुनाव के बीच विपक्ष ने कई बार ई.वी.एम. का मुद्दा उठाया। 21 विपक्षी दलों ने 50 प्रतिशत ई.वी.एम. में वी.वी.पैट होने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने विपक्षी दलों की पुनर्विचार याचिका को भी खारिज कर दिया। पहली बार = एक सीट पर 3 चरणों में मतदान लोकसभा चुनाव के इतिहास में पहली बार जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग सीट पर सुरक्षा कारणों से 3 चरणों (23 अप्रैल, 29 अप्रैल और 6 मई) में मतदान कराया गया। दक्षिण कश्मीर का यह इलाका आतंकवाद को लेकर ज्यादा संवेदनशील माना जाता है। तेज बहादुर यादव का पर्चा रद्द आयोग ने बी.एस.एफ. के पूर्व जवान तेज बहादुर यादव का वाराणसी लोकसभा सीट से नामांकन खारिज कर दिया है। तेज ने दो नामांकन पत्र भरे थे। एक 24 अप्रैल को बतौर निर्दलीय उम्मीदवार और दूसरा 29 अप्रैल को गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में। शपथ पत्र में गलत जानकारी देने पर उनका नामांकन खारिज किया गया। निजामाबाद सीट पर रिकार्ड ई.वी.एम. लगीं तेलंगाना की निजामाबाद सीट पर सत्तारूढ़ टी.आर.एस. के मुखिया चंद्रशेखर राव की बेटी कविता के खिलाफ 178 किसानों ने चुनाव लड़ा। इस सीट से कुल 185 प्रत्याशी मैदान में हैं। प्रत्याशियों की संख्या को देखते हुए चुनाव आयोग ने वहां वोटिंग के लिए 26 हजार ई.वी.एम. मंगाई थीं। बंगलादेशी अभिनेता को प्रचार करने पर वापस भेजा बंगलादेश के अभिनेता फिरदौस अहमद को पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लिए कथित तौर पर चुनाव प्रचार करने से विवाद पैदा हो गया था। इसके बाद गृह मंत्रालय ने उन्हें भारत छोड़ने को कहा था। 21वीं सदी में पैदा हुए युवाओं ने पहली बार वोट डाला 21वीं सदी में पैदा हुए युवाओं ने पहली बार चुनाव में वोट डाला। इस बार आम चुनाव में करीब 9 करोड़ नए वोटर थे, जबकि 2014 में 10 करोड़ से ज्यादा नए युवा मतदाता सूची में शामिल किए गए थे।

संपादकीय

## एग्जिट पोल और बाजार

कहा जाता है कि शेयर बाजार की चाल तथ्यों से नहीं, उम्मीदों से ऊर्जा पाती है। यहां कई बार खबरें नहीं, अटकलें ज्यादा बड़ा अर्थ रखती हैं। कई बार बाजार सिर्फ इसलिए बल्लियों उछल पड़ता है कि जितनी उम्मीद थी, उससे मामूली सा ही कुछ ज्यादा अच्छा हो गया। या इसके उलट कई बार बाजार सिर्फ इसलिए गोता लगा जाता है कि जितनी उम्मीद थी, उससे कुछ मामूली सा कम अच्छा हो गया। सोमवार को देश के शेयर बाजारों में जो दिखा, उसका कारण सिर्फ इतना था कि जितनी उम्मीद थी, उससे कुछ ज्यादा की उम्मीद बंध गई। रविवार को जब एग्जिट पोल के नतीजे आए, तो लगभग उसी समय तय हो गया कि अगले दिन बाजार आतिशबाजी का गवाह बनने वाला है। इसलिए सुबह जब बाजार में कारोबार शुरू हुआ, तभी से धूम-धड़ाके की खबरें आनी शुरू हो गईं। बंबई शेयर बाजार का सबसे महत्वपूर्ण 30 शेयरों वाला संवेदनशील सूचकांक जब शाम को कारोबार की समाप्ति पर बंद हुआ, तो उसने 1,422 अंकों की छलांग लगा ली थी। उसके बाद के सभी सूचकांकों ने भी दिन भर में यही रुझान दिखाया। हालांकि सबसे बड़ी छलांग उन फंडों ने लगाई, जिनकी बाजार में खरीद-फरोख्त होती है। ऐसे फंड की गति बताने वाला बीएससी भारत 22 सूचकांक कुछ ही घंटे के भीतर 4.7 प्रतिशत तक उछल गया। जो बताता है कि नई सरकार के आने के बाद सबसे ज्यादा उम्मीद म्यूचुअल फंड से ही बांधी जा रही है। यह उछाल उस समय दिखाई पड़ी है, जब विदेशी काफी हद तक अपना निवेश निकाल चुके हैं, जिसके कारण से शेयर बाजार ने पिछले कुछ सप्ताह में काफी झटके झेले हैं। एग्जिट पोल के नतीजों से शेयर बाजार ने सिर्फ छलांग ही नहीं लगाई, बहुत सारे रिकॉर्ड भी तोड़े हैं। मसलन, उसने एक दिन में बुलंदी छूने का दस साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यानी इसका एक अर्थ यह हुआ कि पांच साल पहले जब नरेंद्र मोदी ने सरकार बनाई थी, तब भी शेयर बाजार उतना नहीं उछला था, जितना वह उन राजनीतिक अटकलों से उछल गया, जिनको एग्जिट पोल कहा जाता है। यह सच है कि पिछले कुछ दिनों से आम चुनाव के माहौल में किसी भी दल या गठजोड़ को स्पष्ट बहुमत न मिलने की अटकलें तैर रही थीं, एग्जिट पोल ने ऐसी ही अटकलों पर विराम लगा दिया है। शेयर बाजार के लिए यह राहत बहुत बड़ी है और बाजार की राहत अंतत- शेयर कीमतों के बढ़ने में ही अभिव्यक्त होती है। सोमवार को सिर्फ यही हुआ। ऐसा भी नहीं है कि पिछले कुछ समय में देश के सामने जो आर्थिक चुनौतियां खड़ी हुई थीं, वे एकाएक खत्म हो गई हैं। बाजार में मांग बहुत तेजी से कम हो रही है और उद्योगों को तत्काल कोई बड़ी उम्मीद नजर नहीं आ रही। जब तक मांग की पुरानी गति बहाल नहीं होती, बाजार के पास खुश होने का कोई ठोस कारण नहीं रहेगा और उसे यदा-कदा की अटकलों से ही काम चलाना होगा। इसी तरह, न तो देश कृषि संकट का कोई स्थाई हल खोज पाया है और न ही किसानों व ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान की राह ही किसी को सूझ रही है। बेरोजगारी की पहेली अभी कायम है। ऐसे में, अगर शेयर बाजार एग्जिट पोल के नतीजों पर दांव लगा रहा है, तो इससे हम समझ सकते हैं कि केंद्र की अगली सरकार की चुनौतियां क्या और कितनी कठिन होने वाली हैं।



### ट्वीट

#### परिणाम

हम भाग्यशाली ही तो हैं कि हमारे स्कूली दिनों में एग्जिट पोल्स जैसी कोईबात न थी..नहीं तो परीक्षा परिणाम आने से तीन-चार दिन पहले ही हमारे माता-पिता हमें पीटना शुरू कर देते।

शोभा डे, स्तंभकार

# अमेरिका की फांस में फंस गई चीनी अर्थव्यवस्था

विष्णुगुप्त



अमेरिका से ट्रेड वार में उलझना अब चीन को भारी पड़ रहा है, चीन की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है। लोहे को लोहा ही काटता है। चीन जैसे अराजक, हिंसक और उपनिवेशिक मानसिकता के देश को अमेरिका जैसी अराजक और लुटेरी शक्ति ही सबक सिखा सकती थी। अमेरिका को न समझने वाले बड़ी भूल करते हैं और इस भूल की बड़ी कीमत भी चुकाते हैं, कीमत तो आत्मघाती होती ही है, इसके अलावा अस्तित्व को भी समाप्त कर देती है। कभी सोवियत संघ ने अमेरिका को न समझने की भूल की थी, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के फेर में फंस गया था, रोनाल्ड रीगन ने सोवियत संघ को स्टार वार्स और शीत युद्ध में उलझा कर उसकी अर्थव्यवस्था को ही चौपट कर दिया था। सोवियत संघ अमेरिका से बराबरी करने और शीत युद्ध में इतना डूब गया था कि उसे अपनी अर्थव्यवस्था के विध्वंस का अहसास ही नहीं रहा था। लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला में अचानक कम्युनिस्ट तानाशाही कायम हो गयी, कम्युनिस्ट तानाशाही के तानाशाह हयुगों चावेज अमेरिका को तहस-नहस करने की कसमें खाने लगा, उसका दुष्परिणाम क्या हुआ, आज वह लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला दिवालिया हो चुका है, उसकी अर्थव्यवस्था चौपट हो गयी, भूख से तड़पते हुए लोग शरीर बेचने के लिए तैयार हैं, एक किलो चावल के लिए हत्या तक करने पर उतारू हैं, भूख से तड़पती जनता वेनेजुएला से पलायन कर ब्राजील सहित अन्य पड़ोसी देशों में नरक की जिंदगी जीने के लिए विवश है। ईरान जैसा देश भी अमेरिका के निशाने पर आने से न केवल महंगाई की मार झेल रहा है बल्कि उसकी तेल व्यापार की शक्ति भी आधी हो गयी है। उत्तर कोरिया जैसा देश जो अमेरिका का विध्वंस करने की धमकियां देता था वह आज अमेरिकी घेराबंदी मे ऐसा फंसा कि खुद वार्ता के टेबल पर बैठने के लिए बाध्य हो गया। उत्तर कोरिया के तानाशाह और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच दो दौर की वार्ता हो चुकी है फिर भी उसे प्रतिबंधों से मुक्ति नहीं मिली है। अमेरिका न केवल सामरिक शक्ति में अव्वल है, कूटनीति के क्षेत्र में महाशक्ति है बल्कि अमेरिका के पास एक विशाल उपभोक्ता बाजार है, वह उपभोक्ता सामग्री स्वयं निर्माण नहीं करता, वह खुद अपनी जरूरतों के हिसाब से कृषि उत्पादन नहीं करता है, अमेरिका अपनी जरूरत की उपभोक्ता सामग्री चीन जैसे देशों से खरीदता है और अपना पर्यावरण भी सुरक्षित रखता है। चीन अपने संसाधनों के दोहन और सस्ते श्रम के बल पर अमेरिका और यूरोप के उपभोक्ता बाजार में सक्रिय रहता है। कहना न होगा कि कभी मजदूरों के हित पर खड़ी चीन की कम्युनिस्ट तानाशाही मजदूरों के दोहण पर ही अपनी अर्थव्यवस्था मजबूत रखती है। आज न कल चीन पर अमेरिकी हित का डंडा चलना ही था, कभी न कभी चीन की खुशफहमी तो टूटनी ही थी, कभी न कभी चीन के अंहकार तो टूटना ही था, कभी न कभी चीन की अर्थव्यवस्था को चोट तो पहुंचनी ही थी, चीन की निर्यात शक्ति खतरे में पड़नी ही थी। आखिर क्यों, चीन इतना मजबूत इच्छाशक्ति वाला देश, आखिर क्यों मजबूत चीन की अर्थव्यवस्था मरनासन्न स्थिति में पहुच गयी है? चीन को फिर से निर्यात की शक्ति चाहिए। जब अमेरिका ने चीन के साथ ट्रेड वार शुरू किया था, जब अमेरिका ने चीन की अर्थव्यवस्था के खिलाफ कदम उठाया था, जब अमेरिका ने आर्थिक मोर्चे पर चीन की घेराबंदी शुरू की थी तब चीन ने काफी फुंफकारा था, चीन ने बड़ी हेकड़ी दिखायी थी, चीन ने खुशफहमी और अहंकार भरी थी, चीन ने यह दावे किये थे कि अमेरिका की गीदड़ भभकी से वह नहीं झुकेगा, अमेरका उसकी अर्थव्यवस्था का बाल भी बांका नहीं कर पायेगा, उसकी अर्थव्ययवस्था मजबूत है, उसकी अर्थव्यवस्था को कोई नुकसान नहीं होने वाला है, उसके यहां की औद्योगिक इंकाइयां छोड़ कर अन्य देशों में जाने वाली नहीं है? सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि चीन ने यह दावे भी किये थे कि अगर अमेरिका ने अपनी नीति नहीं बदली तो फिर उसकी नीति ही आत्मघाती साबित होगी, ड़ोनाल्ड ट्रम्प की चीन की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की नीति अमेरिका के लिए भारी पड़ेगी, अमेरिका की अर्थव्यवस्था ही चरमरा जायेगी, अमेरिकी बाजार के उपभोक्ताओं को अपनी जरूरत की वस्तुओं को खरीदने के लिए अत्यधिक भुगतान करना होगा, यह स्थिति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए न केवल हानिकारक होगी बल्कि जनता के आक्रोश को जन्म देने वाली होगी। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेज्ड वार पिछले साल के जुलाई माह में शुरू हुए थें। चीन ने मनमानी बंद नहीं की, दुनिया के मंचों पर अमरिका के हितों पर छुरी चलाना जारी रखा तो फिर डोनाल्ड ट्रम्प ने भी अपने तरकस से तीर निकाल लिए। अब तक अमेरिका तीन बार चीन की वस्तुओं पर टेरिफ यानी शुल्क की बढोतरी कर चुका है। अमेरिका की इस नीति के खिलाफ चीन ने भी सीनाजारी दिखायी। दुष्परिणाम यह निकला कि दोनों देश एक-दूसरे के खिलाफ अरबों डालर के नये कर लगाये हैं। अमेरिका ने पिछले साल के सितम्बर माह में चीनी उत्पादों पर 200 अरब डॉलर के नये शुल्क लगाये थे। करीब पांच हजार से अधिक चीनी वस्तुएं ऐसी हैं जिस पर अमेरिका ने नये कर लगाये हैं। चीनी उत्पादों पर 25 प्रतिशत से ज्यादा कर लगाने का अर्थ यह हुआ कि चीनी वस्तुएं महंगी होंगी। जब चीनी वस्तुएं महंगी होंगी तब दुनिया के अन्य बाजारों की वस्तुओं की मांग बढेगी, दुनिया के अन्य बाजार भी प्रतिस्पर्द्धा में शामिल होंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि अमेरिका के अंदर में जो घरेलू वस्तुओं का उत्पादन है उसे शक्ति मिलने का अवसर प्राप्त हुआ है। चीन की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की प्रेरक अर्थव्यवस्था भी नहीं रही है, चीन की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था भी नहीं रही है। चीन की अर्थव्यवस्था भी स्थिर नहीं है। तो फिर चीन की वर्तमान अर्थव्यवस्था कैसी है। चीन की अर्थव्यवस्था उथल-पुथल वाली है। चीन की अर्थव्यवस्था मंदी और प्रतिबंधों सहित शुल्कों की मार से दब रही है, चीन की अर्थव्यवस्था का विकास और गति रूकी हुई है। चीन की अर्थव्यवस्था की विकास दर लगभग पांच प्रतिशत है जो कहीं से भी स्थिर अर्थव्यवस्था का प्रमाण नहीं है। दुनिया के अर्थशास्त्रियों का मानना है कि चीन अपनी अर्थव्यवस्था का सही चित्रण कभी करता नहीं है, चीन की अर्थव्यवस्था हमेशा झूठ और मनगंढत आधारित होती है। चीन में प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है नहीं, प्रेस और अभिव्यक्ति चीन की कम्युनिस्ट तानाशाही कैद में खड़ी रहती है। जबकि विदेशी मीडिया की भी चीन में उपस्थिति लगभग नगण्य है। इस स्थिति में चीन की अर्थव्यवस्था का सही आंकलन संभव ही नहीं हो सकता है। अर्थव्यवस्था आधारित चीन के कथन को ही स्वीकार करना पड़ता है। चीनी वस्तुओं की गुणवत्ता भी एक बड़ा प्रश्न है। भारतीय बाजार में चीनी वस्तुओं का शिंकजा तो मजबूत है पर चीनी उत्पादों की गुणवता हमेशा निचले पायदान पर रहती है, जिसका नुकसान भारतीय उपभोक्ताओं को होता है, ऐसी ही स्थिति दुनिया के अन्य उपभोक्ता बाजारों की भी है। अमेरिका और चीन के बीच में जारी ट्रेड वार से दुनिया के अन्य बाजार भी प्रभावित है। इसलिए चीन और अमेरिका के बीच जारी ट्रेड वार का समाधान जरूरी है। पर क्या चीन अपनी हेकड़ी छोड़ने के लिए तैयार है?

### ज्ञान गंगा

## नशाखोरी

ओशो/ आज देश के युवाओं में नशे की लत तेजी से बढ़ रही है। पंजाब के युवाओं की सेना में एक गौरवशाली परंपरा रही है, मगर अब वहां होने वाली भर्तियों में युवा चक्कर लगाने के दौरान गश खाकर गिर रहे हैं। कई राज्यों में स्कूली बच्चों द्वारा ब्रेड के साथ आयोडेक्स व कुछ दवाइयों का नशे के तौर पर इस्तेमाल की घटनाएं बहुत हो रही हैं। पारंपरिक रूप से नशाखोरी को घरेलू हिंसा के परिप्रेक्ष्य में ही देखा जाता रहा है, मगर अब यह राष्ट्रीय चिंता का विषय बनती जा रही है। आखिर, लोग नशे के आदी क्यों हो जाते हैं? असली कारण कहीं अधिक गहरा है। हमारा ध्यान इस तरफ गया ही नहीं है कि कोई भी आदत मूर्च्छा के कारण पैदा होती है। आदत अच्छी हो, तो भी मूर्च्छा तो निश्चय ही नुकसानदेह है। मोटे तौर पर हमारी आदतें तीन प्रकार की हैं :-पहली श्रेणी में आप दांतों से नाखून या चुइंगम चबाने जैसी आदतों को रख सकते हैं। ऐसी आदतें असामाजिक और अशोभनीय तो हैं, किंतु न्यूट्रल होती हैं। न कोई लाभ, न नुकसान। दूसरे प्रकार की आदतें वे हैं जिनका शारीरिक या मानसिक स्वास्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है जैसे-सिगरेट, तंबाकू, गुटखे, अधिक भोजन, शराब, मादक पदार्थ आदि। तीसरी आदतें वे हैं, जो हमारे शारीरिक स्वास्य, मानसिक सबलता और भावनाओं की मजबूती में उपयोगी हैं। जैसे, जिसे सुबह उठने की आदत हो, उसके पास दिन में काफी समय होगा कुछ भी करने के लिए। जो देर से जगेगा, उसके पास चूंकि समय कम होगा, लिहाजा उसके हर काम में जल्दबाजी और फिर नर्वसनैस होगी। ऐसे ही, जिसका खाना हल्का-फुल्का होगा, उसका स्वास्य उस व्यक्ति की तुलना में निश्चय ही अच्छा होगा जो तला, मिर्च-मसालेयुक्त, गरिष्ठ भोजन करता है। आदत कोई भी हो, उसकी जो बुनियाद है, वह है-एक प्रकार की मूर्च्छा, प्रमाद। व्यक्ति एक प्रकार की बेहोशी में होता है और वही-वही किए चला जाता है। वह आदत कब और कैसे शुरू हुई इसका ख्याल भी नहीं रहता। अगर यही बात ख्याल में आ जाए तो वह आदत छूटनी शुरू हो सकती है। किसी भी प्रकार के नशे से मुक्त होने के लिए यह गौर करना जरूरी है कि आपके जीवन में ऐसी कौन सी आदत है जो आपके व्यक्तित्व, शरीर या मन को नुकसान पहुंचा रही है। संभव है, वह कहीं दूर, बचपन की कोई चीज हो, जिसे आप भूल भी चुके हों। इसलिए, यहां समझना उपयोगी होगा कि आदतें शुरू कैसे होती हैं।

# आज का राशिफल

| | |
|---|---|
| मेष | पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। |
| वृषभ | व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। |
| मिथुन | दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे। |
| कर्क | बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। |
| सिंह | जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। |
| कन्या | सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे। |
| तुला | पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। |
| वृश्चिक | शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। |
| धनु | आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। |
| मकर | जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। |
| कुम्भ | दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। |
| मीन | पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। |

# जनप्रतिनिधियों की स्वतंत्रता का प्रश्न

व्हिप की विसंगति/ भरत झुनझुनवाला

चुनावी लोकतंत्र का वैचारिक आधार जीन जैक्स रूसो नाम के विचारक ने दिया था। उन्होंने कहा था कि जनता द्वारा चयनित लोगों को जनता पर शासन का अधिकार है। अपेक्षा की जाती है कि वह जनता के हित में काम करेंगे। इसी विचारधारा को अपनाते हुए गांधीजी ने स्वतंत्रता के बाद सुझाव दिया था कि कांग्रेस पार्टी को समाप्त कर देना चाहिए और हमें बिना पार्टी के लोकतंत्र को अपनाना चाहिए, जिसमें जनता बिना पार्टी की मुहर के स्वतंत्र व्यक्तियों का चुनाव करे और इनके द्वारा जनता के हित में शासन किया जाए। लेकिन हमारे संविधान निर्माताओं ने पार्टीविहीन लोकतंत्र के स्थान पर पार्टी समेत लोकतंत्र को अपनाया है। इस व्यवस्था के सही संचालन के लिए जरूरी है कि सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियों के सांसद पर्याप्त संख्या में सदन में उपस्थित हों, विशेषकर प्रमुख मुद्दों पर चर्चा के दौरान अथवा अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान के समय। इसलिए इंग्लैंड में व्हिप की व्यवस्था की गई। व्हिप यानी चाबुक। इस व्यवस्था के अंतर्गत हर पार्टी द्वारा किसी एक सांसद को व्हिप के रूप में नामित किया जाता है। व्हिप की जिम्मेदारी होती है प्रमुख विषयों पर चर्चा के समय पार्टी के सभी सांसदों को संसद में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। यह व्यवस्था आज सभी प्रमुख लोकतांत्रिक देशों में उपलब्ध है। लेकिन इस व्यवस्था में सांसद द्वारा संसद में किस मुद्दे पर किस प्रकार मतदान किया जाता है, इस पर व्हिप का अथवा पार्टी का कोई नियंत्रण नहीं रहता है। व्हिप की भूमिका मात्र इतनी रहती है कि वह सांसद की उपस्थिति संसद में सुनिश्चित करे। सांसद अपने विवेकानुसार मत देने के लिए स्वतंत्र रहता है। इसका ज्वलंत उदाहरण हाल में इंग्लैंड में हुआ ब्रेक्जिट मतदान है। यह प्रस्ताव कंजरवेटिव पार्टी द्वारा संसद में लाया गया। कंजरवेटिव पार्टी का बहुमत भी था लेकिन कंजरवेटिव पार्टी के कई सांसदों ने अपनी ही पार्टी द्वारा लाए गए प्रस्ताव का विरोध किया और ब्रेक्जिट का प्रस्ताव गिर गया। इसी प्रकार अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी प्रस्ताव लायी थी कि डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति ओबामा द्वारा स्वास्थ्य व्यवस्था संबंधित बनाए गए कानून को रद्द कर दिया जाए लेकिन रिपब्लिकन पार्टी के ही कुछ सांसदों ने अपनी ही पार्टी के प्रस्ताव के विरोध में मतदान किया और वह प्रस्ताव भी गिर गया। भारत में 80 के दशक में कई राज्यों के विधायक सुबह से शाम तक दो या तीन बार पार्टियों को बदलने लगे। राज्यों में स्थिर सरकार बनाना असंभव हो गया। उस समय विधायकों को 'आया राम गया राम' के नाम से संबोधित किया जाने लगा। उस अस्थिरता से बचने के लिए 1985 में हमने 52वां संविधान संशोधन पारित किया। इसमें व्यवस्था थी कि हर विधायक या सांसद को पार्टी के निर्देशानुसार ही मतदान करना पड़ेगा। यदि वह पार्टी के निर्देशों का उल्लंघन करता है तो विधानसभा अथवा संसद में उसकी सदस्यता समाप्त कर दी जाएगी। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए व्हिप की व्यवस्था की गयी। व्हिप का कार्य अब केवल यह हो गया कि देखें कि विधायकों ने पार्टी के अनुसार मतदान किया या नहीं। यह व्यवस्था गांधीजी की कल्पना के पूर्ण विपरीत है। गांधीजी ने सोचा था कि बिना पार्टी की मुहर के व्यक्ति संसद में पहुंचेंगे और जनता की समस्याओं को उठाएंगे। अब 1985 के बाद हमारी व्यवस्था में पार्टी द्वारा नामित व्यक्ति संसद में पहुंचकर पार्टी के आदेशानुसार मतदान करते हैं। जनता की भूमिका मात्र इतनी रह गई है कि वह पार्टियों में चयन करती है कि वह अमुक पार्टी को वोट देगी। इसलिए आज हमारे यहां जनविरोधी कानून पारित हो रहे हैं। जैसे भूमि अधिग्रहण कानून में जो सुधार किए गए थे, उनको निरस्त करने के प्रयास किए गए; अथवा गंगा नदी के संरक्षण के लिए बनाई गई कमेटी में पर्यावरणविदों को बाहर कर दिया गया, इत्यादि-इत्यादि। एक तरफ हमें निश्चित करना है कि सरकारें स्थिर रहें और 'आया राम गया राम' से हमें मुक्ति पानी है, जिससे कि सत्तारूढ़ पार्टी अपना कार्य बिना भय के कर सके। दूसरी तरफ हमें विधायकों और सांसदों पर पार्टी के दबाव को समाप्त करना है, जिससे कि लोकतंत्र सही मायने में पुनः बहाल हो सके। जरूरी है कि अपने देश में व्हिप की भूमिका को इंग्लैंड और अमेरिका की तरह केवल सांसद के सदन में उपस्थित होने तक सीमित कर दिया जाए। कानून से यह व्यवस्था हटा दी जाए कि विधायक और सांसद को पार्टी के निर्देशानुसार मतदान करना होगा। अविश्वास प्रस्ताव पर व्हिप लागू करने से सरकार की स्थिरता बनी रहेगी। वर्ष 1985 में लाए गए संविधान संशोधन पर तुरंत परिवर्तन करने की जरूरत है।

# पवन हंस विनिवेश: सरकार नई बोली मंगाने को जारी करेगी दस्तावेज

**नई दिल्ली (एजेंसी) ।**

सरकार पवन हंस के विनिवेश के लिए इस माह के अंत तक नए सिरे से बोली मंगाने के वास्ते दस्तावेज जारी कर सकती है। इसमें संभावित खरीदारों को हेलीकाप्टर सेवा कंपनी के ऊपर 500 करोड़ रुपए की आकस्मिक देनदारी के एवज में क्षतिपूर्ति का प्रावधान किया जा सकता है। इससे पहले, कंपनी को बेचने का सरकार का प्रयास सफल नहीं हो पाया। पवन हंस की बिक्री के लिए छह मार्च को संपन्न बोली प्रक्रिया में किसी बोलीदाता के आगे नहीं आने के बाद सरकार ने निवेशकों के साथ उनकी चिंता पर चर्चा के बाद बोली दस्तावेज को और आकर्षक बनाने का निर्णय किया है।

एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, ''ताजा प्रारंभिक सूचना ज्ञापन (पीआईएम) मई के अंत तक जारी किया जाएगा। कंपनी के ऊपर 500 करोड़ रुपए की आकस्मिक देनदारी के एवज में निवेशकों को क्षतिपूर्ति करने का निर्णय किया गया है। कंपनी के ऊपर यह देनदारी विवादित कर मांग से संबद्ध है। सरकार की हेलीकाप्टर सेवा प्रदाता पवन हंस में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

शेष 49 प्रतिशत हिस्सेदारी ओएल एंड नेचुरल गैस कारपोरेशन (ओएनजीसी) के पास है। पवन हंस में पूरी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी को बिक्री के लिए रखा गया है। कंपनी के पास 46 हेलीकाप्टर का बेड़ा है। एक अन्य सूत्र ने कहा कि परामर्शदाताओं के अनुमान के तहत 100 प्रतिशत पूरी हिस्सेदारी बिक्री से सरकार को 1000 करोड़ रुपए मिल सकते हैं।

# जॉनसन एंड जॉनसन का कारोबार ठप्प होने की वजह नोटबंदी और जी.एस.टी.

**नई दिल्ली (एजेंसी) ।**

जॉनसन एंड जॉनसन हैल्थ और बेबी कॉस्मैटिक बनाने वाली कम्पनी भारत में सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग कारखाना चलाने वाली थी। कम्पनी ने हैदराबाद के पास 47 एकड़ में उत्पादन से जुड़े सारे संयंत्र और सुविधाएं भी स्थापित कर दीं लेकिन पिछले 3 सालों से इसमें उत्पादन और लोगों की भर्तियां ठप्प हैं। अमरीकी कम्पनी जॉनसन एंड जॉनसन बिजनैस प्रक्रिया ऑप्रेशन सुचारू रूप से नहीं चलने के पीछे नोटबंदी को जिम्मेदार बताया जा रहा। सूत्रों के मुताबिक प्लांट में काम नहीं हो पा रहा। बाजार में डिमांड नहीं होने से उत्पादन को नहीं बढ़ाया जा रहा। भारत में जॉनसन एंड जॉनसन के बिजनैस ऑप्रेशन से जुड़े 2 सूत्रों का कहना है कि तेलंगाना के पेनजेर्ला में स्थित प्लांट में उत्पादन हो नहीं रहा है क्योंकि बाजार में लगातार प्रोडक्ट की मांग घटती जा रही है। इनमें से एक का कहना है कि 2016 में मोदी सरकार द्वारा एक के बाद दूसरी आश्चर्यचकित करने वाली नीतियों के लागू होने से उम्मीद के मुताबिक मांग नहीं बढ़ पाई। सरकार ने नोटबंदी कर दी और जी.एस.टी. को लागू कर दिया। सूत्रों की जानकारी के आधार पर जॉनसन एंड जॉनसन के प्रमुख अधिकारियों से बात करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने जानकारी देने से साफ इंकार कर दिया। वहीं प्रधानमंत्री कार्यालय से भी संपर्क किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं मिल पाया। गौरतलब है कि नोटबंदी के बाद सर्वे से पता चलता है कि पहले माह में शैम्पो और अन्य कॉस्मेटिक्स के व्यापार में 20 प्रतिशत तक की गिरावट आई। गौरतलब है कि इसी वर्ष अप्रैल महीने में जॉनसन एंड जॉनसन के भारत में मिलने वाले बेबी उत्पादों पर गंभीर प्रश्नचिन्ह उठाए गए थे। राजस्थान के जयपुर स्थित औषधि प्रयोगशाला ने कम्पनी के बेबी शैम्पो में फॉर्मलडिहाइड मिलने की बात कही थी।

# दिल्ली पहुंची दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस, रेलवे ने नई ट्रेन में किए कई बदलाव

**नई दिल्ली (एजेंसी) ।**

देश की पहली इंजन लैस सेमी हाई स्पीड रेलगाड़ी का दूसरा रेक बनकर दिल्ली पहुंच चुका है. फिलहाल इस ट्रेन को दिल्ली के तुगलकाबाद स्टेशन पर रखा गया है. ट्रायल के बाद इस रेक को भी नियमित तौर पर चलाया जाएगा. इस ट्रेन को भी रेलवे की चेन्नई स्थित कोच फैक्ट्री ने तैयार किया है. दिल्ली से वाराणसी के बीच चल रही वंदे भारत एक्सप्रेस को चलाए जाने के बाद मिले अनुभव के आधार पर नए रेक को और बेहतर बनाए जाने की कोशिश की गई है। रेलवे की ओर से नए रेक को भी दिल्ली से वाराणसी के बीच ही चलाया जाएगा. सहयोगी वेबसाइट के अनुसार रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली से वाराणसी के बीच चलाई जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस का शेड्यूल बहुत टाइट है. इस गाड़ी का बेहतर परिचालन हो सके इसके लिए इस नए रेक को भी इसी रूट पर अतिरिक्त रेक के तौर पर चलाया जाएगा. एक और रेक मिलने से इस ट्रेन को समय पर चलाने में काफी सहूलियत होगी. वंदे भारत एक्सप्रेस के नए रेक में कई बदलाव किए गए हैं. इस ट्रेन में पेंट्री की जगह को बढ़ाया गया है. वहीं पत्थरबाजों से बचाने के लिए इस ट्रेन की खिड़कियों में खास शीशों का प्रयोग किया गया है. इन पर पत्थर मारे जाने पर शीशा नहीं टूटेगा।

वंदे भारत ट्रेन को चलाए जाने के दौरान आए दिन ट्रेन से जानवर टकराने की घटना सामने आती थी. इसको ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन में कैटलगार्ड लगाया गया है. नई दिल्ली से वाराणसी के बीच चल रही पहली सेमी हाई स्पीड रेलगाड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस ने अपने तीन महीने के सफर में लगभग 1 लाख किलोमीटर की यात्रा पूरी कर चुकी है। वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन 15 फरवरी 2019 को शुरू हुआ था।

# मेडिकल इंश्योरेंस में गंभीर बीमारियां भी कवर होंगी, IRDAI ने जारी की गाइडलाइंस

**नई दिल्ली (एजेंसी) ।**

अगर आपने भी अपना या परिवार का मेडीकल इंश्योरेंस करा रखा है तो यह खबर आपके काम की है. अब मेडिक्लेम में ज्यादा बीमारियों का कैशलेस इलाज हो सकेगा. इंश्योरेंस रेग्युलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सभी मेडिक्लेम प्रोडक्ट के लिए स्टैंडर्डाइजेशन के लिए ड्राफ्ट गाइडलाइंस जारी की है. इसके तहत मानसिक बीमारियों, जेनेटिक बीमारियों, न्यूरो डिसऑर्डर, ऑरल केमोथेरेपी, रोबोटिक सर्जरी, स्टेम सेल थेरेपी जैसी बीमारियों के लिए भी कवर मिलेगा. साथ ही डायबिटीज और हाइपरटेंशन जैसी लाइफ स्टाइल बीमारियों के लिए वेटिंग पीरियड 30 दिन होगा. वेटिंग पीरियड घटने से क्लेम के दायरे से कम समय ही पॉलिसीहोल्डर बाहर रहेगा. नई गाइडलाइंस के बाद हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़ा कंफ्यूजन दूर होगा और ग्राहकों को इंश्योरेंस पॉलिसी को चुनने में मदद मिलेगी।

अगर कोई पॉलिसी होल्डर 8 साल तक लगातार प्रीमियम भर रहा है तो इंश्योरेंस कंपनी फ्रॉड की आशंका को छोड़कर क्लेम को रिजेक्ट नहीं कर पाएगी. इंश्योरेंस रेग्युलेटर इरडा ने 17 बीमारियों को कवर से बाहर की लिस्ट में रखा है. इन 17 बीमारियों में एपिलैप्सी, हैपैटाइटिस बी, अलजाइमर, पार्किंसंस, क्रोनिक लिवर और गुर्दे की बीमारी और जैसी बीमारियों के इलाज के लिए इंश्योरेंस कवर नहीं दिया जाएगा. सभी कंपनियों के लिए बीमा कवर से बाहर हुई बीमारियों की लिस्ट तय होने के बाद अब हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स के प्रीमियम में भी बदलाव होगा. यानी अभी जिस पॉलिसी में 17 से कम एक्सक्लूजन है तो वहां प्रीमियम घटेगा और 17 से ज्यादा बीमारियों कवर के दायर से बाहर है तो ऐसी स्थिति में प्रीमियम में बढ़ोतरी होगी. 10 प्रतिशत से ज्यादा प्रीमियम बढ़ोतरी होने पर इंश्योरेंस कंपनी को प्रोडक्ट दोबारा फाइल कर मंजूरी लेनी होगी।

## संक्षिप्त समाचार

## जेट एयरवेज के 200 कर्मचारियों ने उड्डयन मंत्रालय के बाहर किया प्रदर्शन

**नई दिल्ली।** आर्थिक रूप से संकटों का सामना कर रही जेट एयरवेज के कर्मचारियों ने मंगलवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया। जेट के 200 कर्मचारी बैनर मंत्रालय की ओर बढ़ रहे थे लेकिन दिल्ली पुलिस और सीआरपीएफ ने उन्हें रोक दिया। बाद में तीन कर्मचारियों ने मंत्रालय के संयुक्त सचिव एस के मिश्रा से मुलाकात की। मीटिंग में शामिल कर्मचारी आशीष कुमार मोहंती ने कहा कि हमने ताजा हालात के बारे में बताया है। पिछले 5 महीने से हमें सैलरी नहीं मिली है। मेडिकल कवरेज भी रोक दिया गया है। हमने तीन प्रमुख मुद्दे- बकाया वेतन, जेट का कोई प्रबंधन नहीं होना और हिस्सेदारी बेचने के लिए एसबीआई की बिडिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी आशीष के मुताबिक मिश्रा ने कहा है कि सरकार जेट एयरवेज का संचालन फिर से शुरू करने के लिए चिंतित है। उच्च अधिकारियों को इस बारे में पता है। पिछले 3-4 महीने से इस मुद्दे पर वार्ता और बैठकें चल रही हैं लेकिन कागजों पर अभी तक कुछ नहीं हुआ है। मिश्रा ने जेट के कर्मचारियों की बात अपने उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का भरोसा दिया है। जेट एयरवेज पर 8,000 करोड़ रुपए का कर्ज है। इमरजेंसी फंडिंग नहीं मिलने की वजह से जेट ने 17 अप्रैल को अस्थाई रूप से संचालन बंद कर दिया था। एयरलाइन के सीईओ विनय दुबे, सीएफओ अमित अग्रवाल, कंपनी सचिव कुलदीप शर्मा और चीफ पीपुल ऑफिसर राहुल तनेजा ने पिछले हफ्ते इस्तीफा दे दिया था। जेट के कर्जदाता 31.2 से 75 फीसदी तक हिस्सेदारी बेचने की कोशिश में जुटे हैं। 26 कर्जदाताओं की ओर से एसबीआई कैप्स ने 8 से 12 अप्रैल तक बोलियां मांगी थीं। शुरुआती चरण में 4 बोलियां मिली थीं। आखिरी बोली सिर्फ एतिहाद ने लगाई थी। एतिहाद ने बहुत कम हिस्सेदारी खरीदने का प्रस्ताव दिया। इसलिए जेट के फिर से शुरू होने की संभावनाएं काफी कम नजर आ रही हैं। 26 कर्जदाताओं के पास जेट के 51त शेयर हैं।

## महंगा हो गया अमूल का दूध

**नई दिल्ली ।** अमूल ब्रांड नाम से डेयरी उत्पाद बेचने वाली गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में दूध के दाम दो रुपये बढ़ाने का फैसला किया है. दूध के बढ़े हुए दाम 21 मई से लागू हो गए हैं. संघ की तरफ से यह निर्णय कच्चे माल की लागत बढ़ने के कारण किया गया. दाम बढ़ाने के फैसले के बाद कंपनी की तरफ से कहा गया कि पिछले दो साल से ज्यादा से अमूल ने किसी भी तरह के दूध पर दाम में बढ़ोतरी नहीं की थी. लेकिन, चारे की बढ़ती कीमत से पशुपालकों को राहत देने के मकसद से दाम बढ़ाए जा रहे हैं. अमूल डेयरी का कहना है कि दाम में बढ़ोतरी करने के बाद जो भी पैसा आएगा, उसका सीधा फायदा पशुपालकों को दिया जाएगा. इस पैसे से दूध ज्यादा दाम देकर खरीदा जाएगा. जीसीएमएमएफ की तरफ से इस मौके पर यह भी कहा गया कि दूध के दाम दो साल बाद बढ़ाए गए हैं. इससे पहले, मार्च 2017 में दूध की कीमत में इजाफा किया गया था. 21 मई से अहमदाबाद में आधा लीटर अमूल गोल्ड की कीमत 27 रुपये , अमूल शक्ति 25 रुपये, अमूल ताजा 21 और अमूल डायमंड 28 रुपये में उपलब्ध होगा. सहकारी संगठन ने कहा कि गाय के दूध की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है इससे पहले पिछले मंगलवार (14 मई) को अमूल की तरफ से दूध का खरीद मूल्य बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

# पनगढ़िया ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण की वकालत की

**वाशिंगटन (एजेंसी) ।**

जाने-माने अर्थशास्त्री और नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया का कहना है भारत की नई सरकार को राजकोषीय मजबूती के मामले में ठोस प्रतिबद्धता दिखानी होगी. उसे केन्द्रीय मंत्रालयों की संख्या कम करने और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का आक्रामक तरीके से निजीकरण करना होगा. पनगढ़िया ने कहा है कि नई सरकार को देश की आर्थिक वृद्धि की गति को तेज करने के लिये अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों पर वार्ता के लिये एक नई इकाई बनानी होगी. पनगढ़िया जनवरी 2015 से लेकर अगस्त 2017 तक नवगठित नीति आयोग के पहले उपाध्यक्ष रहे हैं. वह भारत में 23 मई को चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद सत्ता में आने नई सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में पूछे गये सवाल का जवाब दे रहे थे. उन्होंने कहा, आपको राजकोषीय समेकन के मामले में मजबूत इच्छाशक्ति दिखानी होगी. यह सुनिश्चित करना होगा कि निजी क्षेत्र को निवेश के लिये धन की तंगी नहीं हो. पनगढ़िया ने कहा कि नई सरकार के लिये के न्द्रीय मंत्रालयों की संख्या घटाकर 30 करना दूसरा महत्वपूर्ण कार्य होगा. इससे आपकी सरकार का स्वरूप अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो जायेगा और प्रशासन क्षमता में सुधार आयेगा. उन्होंने कहा, भारत में किसी भी अन्य देश के मुकाबले अधिक मंत्रालय हैं. बेहतर ढंग से प्रशासन चलाने वाले कई देशों में 30 अथवा इससे कम मंत्रालय हैं जबकि भारत में 50 से अधिक मंत्रालय काम कर रहे हैं. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण की वकालत करते हुये उन्होंने कहा कि हर सप्ताह एक उपक्रम का निजीकरण होना चाहिये. उन्होंने कहा कि यह संभव है क्योंकि दो दर्जन के करीब सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश को पहले से ही मंत्रिमंडल की मंजूरी प्राप्त है।

# जीवन बीमा : रिटर्न ऑफ प्रीमियम टर्म प्लान बेहतर विकल्प

**बेंगलुरु (एजेंसी) ।**

जीवन में अनिश्चितता होना ही लाइफ इंश्योरेंस खरीदने के लिए पर्याप्त कारण है। एक टर्म प्लान अपनी तरह की एकमात्र इंश्योरेंस पॉलिसी है जो इसलिए खरीदनी चाहिए क्योंकि इसमें सबसे कम कीमत पर अधिकतम सुरक्षा कवर मिलता है। अब तो 99 प्लस वर्ष की उम्र तक के लिए भी टर्म इंश्योरेंस खरीदे जा सकते हैं जो कि कुछ साल पहले तक संभव नहीं था। पॉलिसीबाजार के सहसंस्थापक और सीईओ यशीष दहिया यहां रिटर्न ऑफ प्रीमियम के साथ टर्म इंश्योरेंस पर जानकारी दे रहे हैं टर्म इंश्योरेंस के अंतर्गत एक लोकप्रिय विकल्प है रिटर्न ऑफ प्रीमियम इंश्योरेंस। इसका मतलब यह हुआ कि बीमाधारक व्यक्ति ने जितने भी प्रीमियम चुकाए हैं, वह उसे परिपक्वता लाभ के रूप में वापस कर दिए जाएंगे। यह उत्पाद उन लोगों के लिए काफी अच्छा है जो एक इंश्योरेंस प्लान खरीदते वक्त उसका एक गारंटीकृत नकद मूल्य भी चाहते हैं। एक पॉलिसी ग्राहक के रूप में आप ऐसी अवधि चुन सकते हैं जो आपकी विशिष्ट जरूरतों के अनुकूल रहे। भारतीय ग्राहक लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी से कुछ न कुछ रिटर्न मिलने की उम्मीद जरूर करते हैं और यह कम से कम उतना तो होना ही चाहिए जितना पॉलिसी में निवेश किया गया हो। जो निवेशक रिटर्न की इच्छा रखते हैं उनके लिए यह एक पैसा वसूल पॉलिसी है। एक निवेशक के रूप में आप अपनी आर्थिक स्थिति के हिसाब से पॉलिसी की अवधि तय कर सकते हैं। आमतौर पर यह पॉलिसी 20, 25, 30 और 40 वर्षों के लिए मिलती है। उदाहरण के तौर पर अगर आपके पास एक 20 वर्ष की अवधि का लोन है तो आप एक 20 वर्षीय टर्म लाइफ प्लान खरीद सकते हैं। दुर्भाग्य से अगर इस अवधि के दौरान आपको कुछ हो जाए, तो आपको यह लोन चुकाने की चिंता नहीं करनी होगी। अगर आप इस अवधि के बाद भी जिंदा रहते हैं तो आपको चुकाए गए प्रीमियम का 100 फीसदी वापस मिल जाता है। रिटर्न ऑफ प्रीमियम प्लान में मिलने वाले परिपक्वता लाभ एक सामान्य टर्म पॉलिसी से काफी अलग होते हैं। इस प्लान में पॉलिसी धारक व्यक्ति को जितने साल का बीमा हासिल है उतना ही प्रीमियम पायस मिलता है। कई प्लान में बीमा कंपनी द्वारा ग्राहक के चुकाए गए प्रीमियम से अधिक भुगतान किया जाता है, लेकिन इसके लिए कुछ शर्तों को पूरा करना होगा। इसके साथ ही पॉलिसी धारक व्यक्ति को मिलने वाली पूरी परिपक्वता राशि टैक्स मुक्त होती है। ग्राहकों की सुविधा के लिए बीमा कंपनियों ने प्रीमियम भुगतान के विभिन्न विकल्प शुरू किए हैं। अब आप अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार एक भुगतान विकल्प चुन सकते हैं। फिलहाल बाजार में उपलब्ध सामान्य प्रीमियम भुगतान विकल्प हैं - वार्षिक, अर्ध-वार्षिक, त्रैमासिक और मासिक। कुछ बीमा कंपनी एक सिंगल प्रीमियम भुगतान का विकल्प भी देती हैं।

## आरबीआई जारी करेगा 10 के नए नोट

**नई दिल्ली ।** भारतीय रिजर्व बैंक 10 रुपये का नया नोट जारी करेगा. नए नोट पर गवर्नर शक्तिकांत दास के हस्ताक्षर होंगे. केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा कि रिजर्व बैंक महात्मा गांधी (नई) सीरीज में 10 रुपये का नया नोट जारी करेगा. इस पर गवर्नर दास के हस्ताक्षर होंगे. इस नोट का डिजाइन महात्मा गांधी (नई) सीरीज के 10 रुपये के बैंक नोट के समान होगा. केंद्रीय बैंक ने कहा कि पूर्व में जारी 10 रुपये के सभी नोट चलन में बने रहेंगे. नए गवर्नर शक्तिकांत दास के हस्ताक्षर वाले महात्मा गांधी न्यू सीरीज में 200 और 500 रुपये के नए नोटों को जारी करने की भारतीय रिजर्व बैंक ने घोषणा की थी. वहीं आरबीआई की तरफ से 20 रुपये के नए नोट जारी करने की बात कही गई थी. लेकिन आरबीआई ने यह भी कहा कि 20 के पुराने नोट भी चलते रहेंगे और से दी गई जानकारी के अनुसार 20 रुपये के नए नोट का रंग हरापन लिए हुए पीला होगा. यह नोट लगभग 29 मिमी लंबा और 63 मिमी चौड़ा होगा. नोट के पीछे के हिस्से पर एलोरा की गुफाओं का चित्रण किया गया है ये देश की संस्कृति को प्रदर्शित करेंगी वहीं पीछे बाईं ओर वर्ष, स्वच्छ भारत का लोगो स्लोगन के साथ और भाषा की पट्टी होगी. नए नोट के अगले हिस्से पर महात्मा गांधी का चित्र बीच में बना हुआ है वहीं आगे की साइड पर नोट का मूल्य हिंदी और अंग्रेजी के अंकों में लिखा होगा. भारतीय रिजर्व बैंक , भारत, और 20 माइक्रो लेटर्स के रूप में होंगे. नोट के अगले हिस्से पर गारंटी क्लॉज, गवर्नर के हस्ताक्षर, नोट के दाहिनी तरफ अशोक स्तंभ होगा, आरबीआई का प्रतीक चिन्ह महात्मा गांधी की तस्वीर के दाहिनी तरफ होगा . नोट का नंबर बायें से दाहिनी तरफ बढ़ते आकार में छपा हुआ होगा।

## एस्सार स्टील के लिए 42,000 करोड़ का भुगतान करेगी आर्सेलर मित्तल

**नई दिल्ली ।** इस्पात क्षेत्र की दुनिया की दिग्गज कंपनी आर्सेलरमित्तल ने सोमवार को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) से कहा कि वह कर्ज के बोझ से दबी एस्सार स्टील के अधिग्रहण के लिए 42,000 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी. इसमें कार्यशील पूंजी के लिए 2,500 करोड़ रुपये की न्यूनतम गारंटी भी है. एस्सार स्टील इस समय दिवाला प्रक्रिया के तहत है. आर्सेलरमित्तल की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने एस्सार स्टील के पूर्व प्रवर्तकों रुइया पर दिवाला प्रक्रिया में अड़चन डालने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि लक्ष्मी निवास मित्तल के भाई से संबंधित कंपनियों की गैर निष्पादित आस्तियों (एनपीए) का मुद्दा पहले ही सुलझ चुका है और उच्चतम न्यायालय उसे खारिज कर चुका है. साल्वे ने कहा कि एनसीएलटी और बैंक एस्सार स्टील को कर्ज देने वाले ऋणदाताओं के बीच इस कोष के वितरण पर फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि वित्तीय ऋणदाताओं तथा परिचालन के लिए कर्ज देने वालों के बीच इसका वितरण समान रूप से किया जाएगा. एनसीएलएटी एस्सार स्टील दिवाला मामले की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रखेगा. इससे पहले एस्सार स्टील की एक शेयरधारक एस्सार स्टील एशिया होल्डिंग्स लि. (ईएसएएचएल) ने आरोप लगाया था कि आर्सेलरमित्तल के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मी निवास मित्तल ने महत्वपूर्ण तथ्य छिपाए थे अन्यथा दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता की धारा 29ए के तहत वह कर्ज के बोझ से दबी कंपनी के लिए बोली लगाने के पात्र नहीं बन पाते।

## लगातार दूसरे दिन बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

**नयी दिल्ली ।** लोकसभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त होने के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन बढ़त देखी गयी। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल पाँच पैसे महँगा होकर 71.17 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गया जो 16 मई के बाद का इसका उच्चतम स्तर है। डीजल भी नौ पैसे महँगा होकर 66.20 रुपये प्रति लीटर बिका। यह डीजल का 11 मई के बाद का उच्चतम स्तर है। अन्य महानगरों में भी दोनों जीवाश्म ईंधनों के दाम आज बढ़े हैं। मुंबई और कोलकाता में पेट्रोल पाँच-पाँच पैसे महँगा होकर क्रमशः 76.78 रुपये और 73.24 रुपये प्रति लीटर पर रहा। चेन्नई में इसकी कीमत छह पैसे बढ़कर 73.88 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गयी। डीजल मुंबई में नौ पैसे महँगा हुआ और 69.36 रुपये प्रति लीटर बिका। कोलकाता और चेन्नई में इसकी कीमत 10-10 पैसे चढ़कर क्रमशः 67.96 रुपये और 69.98 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गयी।

# भारत में एलन मस्क के सपनों को साकार करने को तैयार अशोक लीलैंड

**नई दिल्ली (एजेंसी) ।**

अमूल ब्रांड नाम से डेयरी उत्पाद बेचने वाली गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में दूध के दाम दो रुपये बढ़ाने का फैसला किया है. दूध के बढ़े हुए दाम 21 मई से लागू हो गए हैं. संघ की तरफ से यह निर्णय कच्चे माल की लागत बढ़ने के कारण किया गया. दाम बढ़ाने के फैसले के बाद कंपनी की तरफ से कहा गया कि पिछले दो साल से ज्यादा से अमूल ने किसी भी तरह के दूध पर दाम में बढ़ोतरी नहीं की थी. लेकिन, चारे की बढ़ती कीमत से पशुपालकों को राहत देने के मकसद से दाम बढ़ाए जा रहे हैं. टेस्ला के सीईओ एलन मस्क पिछले कुछ सालों से भारत में कारोबार करने का सपना संजोए हुए हैं और अब तक असमंजस की स्थिति में रहे हैं, मगर अब उनके सपनों को साकार करने के लिए भारतीय वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लीलैंड सामने आई है। उनको अशोक लीलैंड की ओर से यहां आने का आमंत्रण मिला है। मस्क भारत को अपना बड़ा बाजार बनाना चाहते हैं। सवाल है कि क्या देसी उबड़-खाबड़ सड़कों पर विद्युत वाहन सरपट दौड़ पाएंगे। अशोक लीलैंड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और चीफ डिजिटल ऑफिसर वेंकटेश नटराजन के अनुसार, भारत के लोगों को आखिरकार पथ-प्रवर्तक ऑटोनोमस टेस्ला इलेक्ट्रिक कार में सवारी करने का अनुभव दिलाने के लिए कंपनी मस्क के साथ साझेदारी करने को तैयार है। नटराजन ने कहा, हम मस्क के ऑफर के लिए तैयार हैं। दरअसल, मेरा मानना है कि यह महज एक साझेदार के तौर पर भारत में इलेक्ट्रिक कार के सपनों में योगदान करने की बात नहीं है, बल्कि कई एजेंसियां हैं, जो इसमें शामिल हो सकती हैं। उस समूह में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी।

नटराजन ने कहा, मैं संगठन के दर्शन और संस्कृति की बात करता हूं।

जब कभी हम नई प्रौद्योगिकी देखते हैं तो हम उसका इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, जिस प्रकार छोटे बच्चे नए खिलौने देखकर उसके साथ प्रयोग करना चाहते हैं। हम वैसी प्रौद्योगिकी को अंगीकार करने के लिए तैयार हैं।

## पुणा में टी.पी. रोड़ को खुला करने हेतु पांच मकानों का डिमोलेशन

सूरत। मंगलवार को टी.पी. स्कीम नं. 11 पुणा फालवेल प्लोट नं. 64 एवं 65 18.00 मीटर के टी.पी. रोड़ पर अडचन रुप 5 मकानों तथा नालन्दा विद्यालय के मकान के आंशिक भाग स हित लगभग 1050.00 चौरस फुट के माप विस्तार में किये आर.सी.सी कालम बीम स्लेब चिनाई तथा प्लास्टर सहित का बांधकाम दूर कर सदर 18.00 मीटर टी.पी. रास्ता के 13,700 चौरस फुट का रास्ता खुला किया गया। उपरोक्त रोड़ खुला करवानी कार्यवाही प्रगति के तहत है। जो टी.पी. रोड़ कुला होने के ट्रेफिक की समस्या कुछ हद तक टाली जा सकती है। उक्त कार्यवाही में एडी. सिटी इंजीनियर की सूचना अनुसार कार्यपालक इन्जीनियर के मार्गदर्शन के तहत शहर विकास का स्टाफ दबाण खाता का स्टाफ तथा सिक्युरिटी स्टाफ सहित पूरा किया जाएगा।

# बुलेट खरीदने के चक्कर में 57 हजार गुमाने पड़े

### फेसबुक पर बुलेट बेचने की पोस्ट रख धोखाधड़ी

सूरत। मंगलवार को सोशियत मीडिया पर बुलेट बेचने हेतु रख नवागाम के युवक के पास से 47440 लेने के बाद बुलेट न देकर विश्वासघात एवं धोखाधड़ी करने वाले के विरुद्ध डिंडोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज हो गई है।

डिंडोली पुलिस सूत्रों के अनुसार नवागाम डिंडोली अश्विन पार्क सोसाइटी में रहता श्याम मोहन सत्यानारायण अहिरे आरोपी विकास पटेल नामक व्यक्ति के विरुद्ध पुलिस शिकायत दर्ज करायी है। फरियाद में सूचनानुसार आरोपी ने फेसबुक मार्केट पैलेस ब्लोक ऊमर बुलेट विक्री हेतु रखा था। फफरियादी ने बुलेट विक्री से लेने हेतु अलग-अलग तारीखे आरोपी के कथनानुसार आरोपी के बैक खाते में 57430 ट्रांसफर किया था उसके बाद बुलेट न देकर विश्वासघात एवं धोखाधड़ी की। डिंडोली पुलिस ने फरियाद दर्ज कर जांच कार्यवाही शुरु कर दी है।

## नानपुरा में विधवा युवती का हाथ विभत्स मांग करने वाला गिरफ्तार

सूरत। मंगलवार को सूरत शहर के नानपुरा विस्तार में एक 25 वर्षीय विधवा युवती का सरेआम हाथ पकड़कर विभत्स मांग करने वाले गैरेज वाले को अठवा पुलिस ने फरियाद के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है। इस गैरेजवाले ने बीच बचाव में आने के साथ भी झगड़ा कर कालर पकड़ के तमाचा ठोक दिया।

अठवा पुलिस सूत्रों के अनुसार नानपुरा माछीवाड़ एकता सर्कल के पास गैरेज का काम करता भरत मणीलाल रान्देरिया के विरुद्ध पुलिस फरियाद दर्ज हुई है। गत 19/5/2019 के दिन रात 11.30 बजे पड़ोसी विधवा युवती का आरोपी भरत रान्देरिया ने सर जाहेर हाथ पकड़ कर विभत्स मांग की थी, लोगों के बीच पड़ने वालों को भरत रान्देरिया गाली गलौच एवं झगड़ा भी किया था। छेड़ छाड़ की भोग बनी युवती ने अठवा पुलिस स्टेशन में फरियाद दर्ज करायी इस आधार पर पुलिस ने आरोपी भरत मणीलाल रान्देरिया को गिरफ्तार कर कायदेसर कार्यवाही की है। मामले की जांच चालू है।

## कार में से 1.20 लाख का दारू का भंडार मिला

सूरत। मंगलवार को महुवा शेखपुर गाम में दातरडी फलिया से गुजरती एक सेन्ट्रो कार में से पुलिस ने 1536 नग विना पास परमिट की विदेशी दारू की बोटले कब्जे में ली है। जबकि पुलिस की रेड देखकर कार चालक सहित तीन व्यक्ति फरार हो जाने की घटना ओलपाड़ पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार महुवा शेखपुर गाम के निशाल फलिया निवासी महेन्द्र भाई कान्तुभाई पटेल एवं उनके साथ दो मित्र गत दिवस सेन्ट्रो कार जी.जे.15 डी.डी. 3560 में विदेशी दारु तथा वियर मिलाकर कुल 1536 नग बोटल कीमत 1.20 लाख भरकर महुवा शेखपुर गाम के दातरड़ी फलिया में से गुजर रहे थे कि सूरत एल.सी.बी पुलिस जवान अनिल भाई रामजी भाई ने उनकी सेन्ट्रों कार रोक कर जांच की दारू एवं वियर की बोटले देख कब्जे में ले लिया, पुलिस की रेड देख तीनों फरार हो गए चालक सिहत तीन आरोपी वान्टेड जाहेर हो गए है। सभी के सामने प्रोहिविशन एक्ट का अपराध दर्ज कर जांच कार्यवाही शुरु कर दी है।

## सरोली हरेकृष्णा टेक्सटाइल के व्यापारी ने लाखों की उठामनी कर फरार

सूरत। मंगलवार सूरत के सारोली विस्तार की श्री महावीर मार्केट की हरेकृष्णा टेक्सटाइलस के व्यापारी ने लाखों रुपये में उठामना कर लिया है। इस चीटर व्यापारी एवं दलाल का भोग बनने वाले दो व्यापारी ने पुलिस स्टेशन पुणा में फरियाद दर्ज कराई है। पुणा पुलिस सोसाइटी सूत्रों की सूचनानुसार कामरेज चार रास्ता सरकार नगर सोसाइटी के रहीश हरेश रमणीक झालावाड़िया ने आरोपी मनीष दिनेश चन्द्र पानवाला दलाल जगदीश जोषी के विरुद्ध दर्ज फरियाद में आरोपी ने फरियादी एवं अश्विन भाई का विश्वास प्राप्त कर 30,14,095 रु. की कीमत का माल खरीदा था। माल का पैसा देने के बदले आरोपी व्यापारी ने दुकान बंद कर भाग गया। पुणा पुलिस ने फरियाद दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

# उधना उद्योगनगर में दो मंजिल की जर्जर बिल्डिंग का डेमोलेशन

सूरत। मंगलवार को उधना उद्योनगर रोड नं. 5 पर स्थित जर्जर एवं पुरानी मिल्कत में आज उधना जोन द्वारा डेमोलेशन की कार्यवाही शुरु कर दी है। पुलिस ने चुस्त बन्दोबस्त एवं पालिका के सिक्युरिटी स्टाफ की मदद से ग्राउन्ड फ्लोर के साथ दो मंजिल की मिल्कत तोड़ दी गई।

उधना जोन के कार्यपालक इन्जीनियर जारीवाला के अनुसार उधना उद्योग नगर रोड़ नं. 5 एवं 6 के बीच मेन रोड़ स्थित जर्जर एवं पुरानी बिल्डिंग को गिराने हेतु पालिका द्वारा समय समय पर नोटिसे दी गई थी। ग्राउन्ड फ्लोर पर स्थित दुकानों की जर्जर स्थिति के कारण मिलकर खाली हो गई थी परन्तु दूसरे मंजिल पर एक परिवार रहता था उस परिवार द्वारा खाली करने के बाद मिल्कतदार ने जोन में सूचना देकर डेमोलेशन की मांग की थी। अत्यन्त जर्जर एवं पुरानी यह मिल्कत रहने के लिए घातक एवं जानलेवा होने से आज उधना जोन द्वारा मल्कितदार के खर्चे चुस्त बन्दोबस्त एवं सिक्युरिटी स्टाफ की मदद से डेमोलेशन किया गया।

# गुजरात बोर्ड ने जारी किया 10वीं कक्षा का परिणाम

**अहमदाबाद ।** गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (जीएसईबी) ने 10वीं कक्षा के परिणाम जारी कर दिए। मार्च 2019 में ली गई कक्षा 10 की परीक्षा के नतीजे सुबह 8 बजे जारी किए गए। जिसमें 66.97 प्रतिशत परिणाम घोषित किया गया है। जो पिछले साल के मुकाबले 0.53 प्रतिशत कम है। गत वर्ष कक्षा 10 के नतीजे 67.50 प्रतिशत था। अंग्रेजी माध्यम का 88.11 प्रतिशत और हिन्दी माध्यम के परिणाम 72.66 आया है। गुजरात में सूरत जिला 79.63 प्रतिशत के टॉप रहा है। वहीं सबसे कम मध्य गुजरात का छोटा उदेपुर जिले का नतीजा 46.38 प्रतिशत आया है। पिछले साल भी सूरत जिला 80.06 प्रतिशत के साथ राज्य में अव्वल रहा था। गिर सोमनाथ जिले का सुपासी केन्द्र 95.56 प्रतिशत के राज्यभर में अव्वल रहा। जबकि इसी जिले का तड केन्द्र 17.63 प्रतिशत के साथ सबसे फिसड्डी रहा। इस साल 6142 दिव्यांग विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिसमें 872 विद्यार्थी 20 प्रतिशत पासिंग स्टान्डर्ड से पास हुए हैं। गुजरात में 100 प्रतिशत नतीजे प्राप्त करनेवाली स्कूलों की संख्या 366 रही, जबकि 63 स्कूलों ने 0 प्रतिशत परिणाम प्राप्त किया है। वहीं 955 प्रतिशत स्कूलें ऐसी रहीं, जिनका परिणाम 30 फीसदी से कम आया है। दसवीं कक्षा की परीक्षा में फिर एक बार लड़कियों ने बाजी मारी है। 72.64 प्रतिशत लड़कियां पास हुई हैं, वहीं 62.8 3 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। ए1 ग्रेड से उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या 4974 और ए2 ग्रेड पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 32735 रही। वहीं 70677 विद्यार्थियों ने बी1 और बी2 ग्रेड प्राप्त करने वाली विद्यार्थियों की संख्या 129629 रही। जिले वार 10वीं कक्षा के नतीजों के मुताबिक सूरत का 79.8 3 प्रतिशत, अहमदाबाद का 71.50 प्रतिशत, जामनगर का 70.61 प्रतिशत, दाहोद 49.18 प्रतिशत, गोंडल 72.02 प्रतिशत, पोरबंदर 62.61 प्रतिशत, नवसारी 67.45 प्रतिशत, मेहसाणा 67.92 प्रतिशत, छोटाउदेपुर 46.38 प्रतिशत, साबरकांठा 63.04 प्रतिशत, कच्छ 65.46 प्रतिशत, पंचमहल 51.81 प्रतिशत, वडोदरा 67.03 प्रतिशत, अरवल्ली 66.97 प्रतिशत, अमरेली 61.65 प्रतिशत, 59.53 प्रतिशत, मोरबी 74.09 प्रतिशत, राजकोट 73.92 प्रतिशत, देवभूमि द्वारका 70.32 प्रतिशत और तापी का 62.79 प्रतिशत रहा। मार्च 2019 में करीब 11.59 लाख विद्यार्थियों ने कक्षा 10 की परीक्षा दी थी। जिसमें गुजरात के विभिन्न जेलों में बंद 89 कैदी भी शामिल हैं। गुजरात में 1159762 छात्र-छात्राओं ने कक्षा 10 की परीक्षा दी थी। जिसमें सबसे ज्यादा 98 563 विद्यार्थी सूरत के थे। जबकि सबसे कम 1317 विद्यार्थियों ने दीव में परीक्षा दी थी। राज्यभर में 705464 छात्र और 454297 छात्राएं कक्षा 10 की परीक्षा में शामिल हुईं। दक्षिण गुजरात के सूरत के देव सूतरिया नामक विद्यार्थी ने 99.99 पर्सन्टाइल प्राप्त कर माता-पिता समेत स्कूल का नाम रोशन किया है। वहीं अहमदाबाद की निशा गोस्वामी ने 99.73 पर्सन्टाइल और बिन्द्रा शाह ने 99.11 पर्सन्टाइल प्राप्त किया है। निशा गोस्वामी के पिता मोबाइल रिपेरिंग करते हैं, जबकि बिन्द्रा गोस्वामी के पिता टू व्हीलर गैरेज चलाते हैं।

## दसवीं कक्षा में फेल छात्रा का आत्महत्या का प्रयास

राजकोट । गुजरात शिक्षा बोर्ड ने आज दसवीं कक्षा का परिणाम जारी किया है। पास हुए विद्यार्थी खुशी मना रहे हैं, वहीं नापास और कम अंक मिलने से कई विद्यार्थी हताश हैं। जिसमें ऐसे भी विद्यार्थी होते हैं जो नतीजे से इतने निराश हो जाते हैं कि आत्महत्या करने तक पहुंच जाते हैं। ऐसी ही एक घटना राजकोट के उपलेटा में सामने आई है, जहां एक छात्रा ने छठवीं मंज़िल से मौत की छलांग लगा ली। गनीमत रही कि छात्रा बच गई और अस्पताल में उसकी हालत बेहतर बताई गई है। जानकारी के मुताबिक राजकोट जिले के उपलेटा में रहनेवाली उषागौरी नलीनभाई परमार नामक छात्रा ने दसवीं कक्षा की परीक्षा दी थी। दसवीं कक्षा के आज नतीजे आए, जिसमें उषागौरी दो विषयों में फेल हो गई। फेल होने से हताश उषागौरी ने पोरबंदर रोड पर कालानाला के निकट छठवीं मंज़िल से छलांग लगा दी। गनीमत रही कि उषागौरी ग्राउंड फ्लोर स्थित दुकान की छप्पर पर जा गिरी और उसकी जान बच गई। दुकानदार समेत आसपास लोगों ने तुरंत छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत बेहतर बताई गई है।

### वाघाणी के विवादित बयान को लेकर बड़ा विवाद

# कांग्रेस के नेताओं को मेन्टल अस्पताल में भर्ती कराना पड़ेगा

### कांग्रेस पर निशाना साधने में अक्सर बिगड़े बोल जीतू वाघाणी फिर होश गवा बैठे : कांग्रेस ने माफी की मांग

**अहमदाबाद ।** गुजरात में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधने में अक्सर बिगड़े बोल द्वारा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जीतू वाघाणी फिर एक बार होश गवा बैठे और एग्जिट पोल के निष्कर्ष बाद उत्साह में आकर जीतू वाघाणी ने इतना विवादित बयान दे दिया कि, लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के नेताओं को मेन्टल अस्पताल में भर्ती कराना पड़ेगा। वाघाणी के इस हद तक के विवादित बयान को लेकर गुजरात ही नहीं देश के राज नीति में कड़ी प्रतिक्रिया हुई। कांग्रेस के नेताओं ने वाघाणी के बयान को यह सिर्फ कांग्रेस ही नहीं लेकिन देश की जनता का अपमान बताकर उनके पास से माफी की मांग की गई थी। जिसे लेकर अब पूरा मामला गर्मा गया है। लोकसभा चुनाव के सभी चरण पूरे हो गये है। एग्जिट पोल के अनुसार, भाज पा फिर से सत्ता में आ रहा है। अब पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में फिर से आ रहे होने से एग्जिट पोल बाद जीतू वाघाणी का आत्मविश्वास जैसे सातवें आसमान पर पहुंच गया है। अब उनको एग्जिट पोल में पूर्ण बहुमत मिलने से जीतू वाघाणी काफी खुश हो गये इस बयान से दिखाई दे रहा है। मंगलवार को भाजपा के नेता वाघाणी ने राष्ट्रीय स्तर के नेताओं को अच्छा नहीं लगे ऐसा बिगड़े बोल बोल दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ज ीतू वाघाणी ने मंगलवार को एक विवादित बयान से गुज रात की राजनीति गर्मा गई। वाघाणी ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि, कांग्रेस के नेताओं को मेन्टल अस्पताल में भर्ती कराना पड़ेगा। उनके लिए हार स्वीकार करना काफी कठिन हो गया है। कांग्रेस की मानसिकता को लेकर वाघाणी ने बयान दिया। उन्होंने मंगलवार को एग्जिट पोल को लेकर सुबह में भी मीडिया के साथ बातचीत में बताया। उन्होंने कहा कि, नरेन्द्र मोदी का सामना करने के लिए विपक्ष के पास नेतृत्व नहीं है। एग्जिट पोल के आंकड़ों के बाद जीतू वाघाणी ने बताया कि, लोकसभा चुनाव में बीजेपी की जीत निश्चित है और हम एग्जिट पोल के आंकड़ों और जनता के फैसले को हम स्वीकार करते हैं।

### चरोतर में एक दिन में विभिन्न घटना में १९ की मौत

# आणंद में भीषण दुर्घटना हुई ११ की मौत से सनसनी फैली

**अहमदाबाद ।** चरोतर में मंगलवार का दिन कालचक्र साबित हुआ। चरोतर क्षेत्र में सुबह से ही अलग-अलग दुर्घटना हुई थी जि समें एक ही दिन में अलग-अलग घटनाओं में १९ लोगों की मौत हुई है। एक तरफ आणंद के आंकलाव के पास टेन्कर और पीकअप वाहन में दुर्घटना होने पर ११ लोगों की मौत हो गई थी, जबकि उमरेठ में तालाब में डूबने से छह लोगों की मौत हुई थी। इसी तरीके से ठासरा में तालाब में डूबने पर तीन की मौत हुई थी।

आंकलाव की घटना सबसे बड़ी घटना हुई थी। दुर्घटना इतना प्रचंड था कि, सात लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई थी ज बकि अन्य चार लोगों की मौत उपचार के दौरान हुई थी। बोरसद के सारोल गांव के निवासी पादरा के उमराया गांव से नौकरी से वापस आ रहे थे उस समय में टेन्कर के साथ पीकअप वाहन की यह दुर्घटना हुई थी। आणंद घटना की जानकारी मिलने के बाद यह मामले में गहन जांच शुरू की गई थी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि, दुर्घटना में घटनास्थल पर ही सात लोग और बाद में उपचार के दौरान और दो लोग यह मिलाकर कुल ९ लोगों की मौत हो गई थी। जबकि अन्य दस से ज्यादा घायल हो गये थे, उनको तुरंत निकट के अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। दुर्घटना की वजह से लोगों की भीड़ घटनास्थल पर पहुंच गई और ट्राफिकजाम हो गया। सभी घायलों को निकट के अस्पताल में तुरंत उपचार के लिए भर्ती कराया गया। हालांकि, इस भीषण दुर्घटना में एक साथ नौ लोगों की मौत को लेकर पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई और इसके साथ शोक की लहर फैल गई। घायलों में भी कई की हालत गंभीर होने से मौत का आंकड़ा बढ़ने की संभावना रही है। टेन्कर और पीकअप वाहन के बीच यह दुर्घटना में सात लोगों की मौत घटनास्थल पर हो गई थी, जबकि अन्य दो लोगों की मौत उपचार के दौरान हुई थी। इस तरह मृतकों की कुल संख्या ९ हुई थी। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, आणंद के आंकलाव तहसील के गंभीरा के पास मंगलवार को दोपहर में एक टेन्कर और पीकअप वाहन के बीच भीषण दुर्घटना हुई थी। बोरसद के सारोल गांव के निवासी पादरा के उमराया गांव से नौकरी से वापस आ रहे थे उस समय में टेन्कर के साथ पीकअप वाहन की यह दुर्घटना हुई थी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि, दुर्घटना में घटनास्थल पर ही सात लोग और बाद में उपचार के दौरान और दो लोग यह मिलाकर कुल ९ लोगों की मौत हो गई थी।

# गोडसे का जन्मदिन मनाकर समाज में वर्ग विग्रह फैलाने का षड्यनत्र: कांग्रेस

### सूरत शहर जिला कांग्रेस समिति द्वारा सूरत पुलिस कमिश्नर को शिकायत

सूरत। मंगलवार को सूरत शहर जिला कांग्रेस समिति के प्रमुख बाबूभाई रायका की आगेवानी में सूरत पुलिस कमिश्नर को दी गई फरियाद में कहा गया है कि भारत देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले एवं भारत के राष्ट्रपिता तथा गुजरात के सुपुत्र महात्मा गांधी के हत्यारे नाथुराम गोड़से का 109वां जन्मदिन गत 19/5/2019 में सांय सूर्यमुखी हनुमान जी मंदिर लिम्बायत में अखिल भारतीय हिन्दु महासभा के युवा नेता हीरेन सुमरा एवं उनके 40 से 50 कार्यकर्ताओं द्वारा 109 दीप जलाकर तथा 109 लडडू का प्रसाद चढाकर मनाया गया। यह कृत्य धार्मिक जगह पर बिना किसी पूर्व परवानगी गेरकायदेसर मंडली रची समाज में वर्ग विग्रह फैलाने के इरादे से एवं गांधी जी के अनुयायियों की भावना को चोट पहुंचने के उद्देश्य से किया गया है। जिनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही कर इन राष्ट्र विरोधी तत्वों के समक्ष भारत देश में रहकर देश द्रोही प्रवृति करने वालों तथा भारत के असंख्य लोगों की भावना को ठेस पहुचाने वालों के विरुद्ध उचित कार्यवाही कर जेल के हवाले कर फौजदारी के तहत कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com ( subject to surat jurisdiction)